no post of Clock Inspector on the Delhi and Ferozepore Divisions of the Northern Railway. The Question of promotion does not, therefore arise.

(b) and (c). Do not arise.

हिमाचल प्रदेश में गोदाम

१३६५. श्री पद्म देव : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि हिमाचल प्रदेश में सहकारी विभाग के अन्तर्गत गोदाम बनाने के लिये कितनी सोसाइटियों को १९५७–५८ में ऋण और सहायता दी गई ?

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री अ० प्र० जैन) : सन् १९५७–५८ में हिमाचल प्रदेश में सहकारी सोसाइटियों के द्वारा गोदाम बनाने के लिये कोई भी सहायता देना स्वीकृत नहीं किया जा सका ।

मिरर कार्प किस्म की मछली

१३६६. श्री पद्म देव : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष १९५८ में हिमाचल प्रदेश में अब तक किन-किन स्थानों पर मिरर कार्प किस्म की मछली पैदा की गई ; और

(ख) सरकार ने प्रत्येक गांव में इस किस्म की मछली पैदा करने के लिये क्या योजना बनाई है ?

खाद्य और कृषि मंत्री (श्री अ० प्र० जैन) : (क) हिमाचल प्रदेश में निम्न स्थानों पर मिरर कार्प पाली जा रही हैं :–

स्थान का नाम		जिला
(१) नाहन		सिरमूर
(२) तिलोकपुर		
(३) रेनुका		
(४) भनेन		
(५) सरोल		च
(६) खिजियार		
(७) रेवालसर		मंडी
(८) चन्दखा		
(९) जकतखाना		बिलासपुर
(१०) अर्की		महासू

(ख) ग्रामों और दूसरे स्थानों में समस्त उपलब्ध और उपयुक्त अवरुद्ध पानी में मिरर कार्प के विकास के लिये, दूसरी पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत एक स्वीकृत योजना, जिसकी कीमत ६७,००० रुपये है, चालू है ।

नारकंडा तक रेलवे लाइन

१३६७. श्री पद्म देव : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार नारकंडा (महासू जिला, हिमाचल प्रदेश) तक एक रेलमार्ग बनाने का, जिसे ब्रिटिश सरकार ने रक्षा के उपाय के तौर पर बनाने का निश्चय किया था और जिसके बारे में एक सर्वेक्षण भी कर लिया गया था, फिर विचार कर रही है ?

रेलवे उपमंत्री (श्री सें० वें० रामस्वामी) जी नहीं । १९२९ में जो सर्वे हुआ था उससे मालूम हुआ कि शिमला तक छोटी लाइन बनाने में बहुत खर्च आयेगा और आर्थिक दृष्टि से यह लाइन लाभप्रद नहीं होगी । सामान की मौजूदा कीमतों और दूसरी लागतों को देखते हुए आर्थिक दृष्टि से इस लाइन का बनाना अब और भी अलाभप्रद होगा ।

हिमाचल प्रदेश में कृषि विभाग सम्बन्धी योजना

१३६८. श्री पद्म देव : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हिमाचल प्रदेश में कृषि

विभाग स्थापित करने की योजना कार्यान्वित की गई है ;

(ख) यदि नहीं, तो विलम्ब के क्या कारण हैं ;

(ग) क्या उपरोक्त योजना से संबंधित फसल गवेषणा विभाग ने कार्य आरम्भ कर दिया है ; और

(घ) यदि हां, तो इस दिशा में क्या प्रगति हुई है ?

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री अ० प्र० जैन) : (क) जी हां ।

(ख) प्रश्न नहीं होता ।

(ग) जी हां ।

(घ) इस अनुभाग ने अप्रैल, १९५८ से ही कार्य करना आरम्भ किया है । इसके द्वारा निम्न कार्य किये जाते हैं :—

(१) पहाड़ी प्रदेशों के लिये उपयुक्त मुख्य देसी और प्रादेशिक फसल की किस्मों को इकठ्ठा करना ।

(२) दोनों सरकारी प्रयोगात्मक स्टेशनों और किसानों के खेतों में, प्रदेश के समुद्रतल से अनेक विभिन्न ऊंचाई के लिये रोग से रहित अधिक उपज देने वाली किस्मों को छांटने के विचार से मक्का, धान, लैसर-मिलेट्स और अन्य खरीफ फसलों की परीक्षा ।

हिमाचल प्रदेश में आलू, गेहूं और मकई के बीज

१३६९. श्री पद्म देव : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हिमाचल प्रदेश प्रशासन ने मान्यता-प्राप्त उत्पादकों से वर्ष १९५८ में आलू, गेहूं और मकई का कितना-कितना बीज खरीदा ;

(ख) सरकार द्वारा उत्पादित अथवा संगृहीत कितना बीज बांटा गया ;

(ग) मान्यता-प्राप्त उत्पादकों को आर्थिक सहायता किस दर से दी गई तथा लोगों को बीज किस भाव से बेचा गया ; और

(घ) सरकार ने कुल कितनी आर्थिक सहायता दी ?

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री अ० प्र० जैन) : (क)

आलू	कुछ नहीं
गेहूं	५६६ मन
मक्का	१६० मन

(ख) आलू ३२२४ मन
गेहूं ३६१५ मन २० सेर
मक्का १६० मन

(ग) अपरूव्ड ग्रोअर्ज (approved growers) को एक रुपया प्रति मन की वित्त सहायता दी गई और बीज चालू बाजार के दर से एक रुपया प्रति मन अधिक पर बेचा गया । यह रुपया सुधरे हुए बीजों के कारण लिया गया था ।

(घ) ७२६ रुपये ।

चम्बा (हिमाचल प्रदेश) में भेड़ पालन

१३७०. श्री पद्म देव : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चम्बा में भेड़ पालन की योजना कब चालू की जायेगी ;

(ख) इस योजना पर अनुमानतः कितना व्यय होगा; और

(ग) इस योजना के अन्तर्गत कितनी भेड़ें रखी जायेंगी ?